

DPN 6993

Title : भीमरथारोहण विधि
BHĪMARATHĀROHANA VIDHI

Run. No. 7718

Cat. No.

Micro. No.

Subject विधि / Ritual

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms.

Folios 75

Lines (in a page) 24 perpecular writing

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Naoko Takagi Beri, Tarky

Author / translator

Scribe / donor नाओको ताकागी बेरी रकी

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place 5 Sept. 2002

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon : ॥१॥

Beg. ॐ नमो श्री सूर्य विनायकाम ॥ ॥ अथ भीमरथारोहण विधि ॥

P.T.O.

Col. इति भीमरथा रोहसा मज्ञ सम्पूरार्णि ॥

भीमरथ कृत्वा शार्चन विधिः ॥

॥२॥ देवरथा रोहसा विधि

॥ ३॥ सहस्रचतु पूजा विधि

इति चतु सहस्र विधि समाप्तम् ॥

ज्याजंको

सप्त सप्तति वर्षाणि सम्प्रमास दिनानि च
रात्र्या भीमरथानाम मुनीनामपि दुर्गमम् ॥ १ ॥

त्रिचतुःशीति वर्षाणि चतुर्मासाधिकानि च
सहस्र चतु विज्ञेयः पुराणो परि कीर्तितः ॥ २ ॥

अष्टाष्टाशीति वर्षाणि अष्टमास दिनानि च
ख्यातो देवरथानाम मुनीनामपि दुर्गमम् ॥ ३ ॥

स्कोन शतवर्षाणि नवमास दिनानि च
महारथ द्दय ख्यातो देवानामपि दुर्गमः ॥ ४ ॥

20

15

10

5

0

cm.

5

10

15

20

25

30



[illegible][illegible]

0 Cms.
5
10
15
20
25
30

नू यायलिवु कुरुनानि वरुन
॥ ॐ ह्राय याययुता नी विनयेव
कुरुयिनी ॥ अयग आदि ॥ त
॥ मयलिंगयुजा ॥ जलकान
ॐ ह्यस्ति नरं दुति ॥ यैवा मर
स्तानी ॥ ॐ ययः यथेयी ॥ दय्य ॥
ॐ दयि काश ॥ दयि ॥ ॐ मजासि
द्युत ॥ ॐ मधुवाता ॥ मधु ॥ ॐ न
मः ॥ ह्रावा ॥ ॐ यविपुष्ठा ॥ य
वगद्य ॥ गाय ॥ आ जलस्तानी
ॐ यदयक ॥ वदने ॥ ॐ त्वज
विदुदा ॥ सिदुन ॥ ॐ मस्तयवी
यईका ॥ ॐ याः रुलिना ॥ यय
ॐ ह्रीवा नामासि ह्यजनी ॥ ॐ व
कुरुस्तनी ॥ ॐ विष्णुनजा ॥ ॐ न
मः ॥ ह्रावाय ॥ ॐ अहि ॥ ॐ य ॥
नजासि ॥ दाय ॥ ॐ याः रुलनाल
रुल ॥ ॐ म्रनयत ॥ नैवद्य ॥ ॐ म
नादुनि ॥ पुतिष्ठा ॥ ॥ मनुल
जाय ॥ मुनि ॥ लवय ॥ मय
लिग ॥ ह्रीवीयरु नूयिनी ॥ वरु
ॐ ययिनी दवमा ॥ अयुवने ॥

नः ॥ अयग आदि ॥ ॥ विशर्जन
उदयनता ॥ ह्रीव ॥ कि कल ॥
॥ ग्लागद्य ॥ नता आता ॥ यजमा
नार्थी वगद्यदागदी ॥ मय ॥ ॥
ॐ वावने ॥ ॐ अमि ॥ प्राक ॥ ॐ अ
मि ॥ वद ॥ ॐ अमि ॥ मुद्रि ॥ ॐ
ॐ अमि ॥ पायि ॥ ॐ अमि ॥ वाक्
आययती ॥ याल ॥ आययती ॥
वद ॥ आयती ॥ आर्द्र ॥ आय
यती ॥ पायि ॥ आययता ॥ न
अ ॥ आययती ॥ यविपुष्ठा
दि ॥ ॥ ॐ निषेयगद्यमा ॥
नविधि ॥ ॥ यैवगद्यमा ॥
नयादा ॥ अयनदनाडा ॥ ह्रीव
॥ ह्रीकी युजा ॥ अयम ॥ ह्रीवा
अर्धयायताधनी ॥ अयः ॥ ह्रीव
कुरु ॥ अलिशिदार्थनिलन ॥
लातु ॥ कोलयवसमायुक्त
ह्रीगीदुवामयता ॥ एत ॥ ह्रीवा
अर्धयायनिधाय ॥ विष्णु ॥ आता
अर्धयाययुजा ॥ वरु ॥ गली ॥
आवाहनादि ॥ ॥ अयम ॥ ह्रीव
मिद्रा ॥ ह्रीव ॥ ॥ न नाद्यय

[illegible]

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ प्रियं वा
 विष्णुं विष्णुं विष्णुं विष्णुं ॥ दक्ष
 लाक्षा ॥ वासुदेवाय ॥ मन्त्र ॥ मा
 र्जनी ॥ उक्तं वा ॥ मन्त्र ॥ द्वा
 अक्षरं ॥ प्रथमं ॥ यैव स्तुतं ॥ क
 णीयं ॥ यैव यत्नं यैव यत्नं ॥ मा
 स्तोत्रं यत्नं ॥ यत्नं यत्नं ॥ मा
 नी ॥ ॐ सर्वानिष्टविनाशाय
 प्रक्रमस्तुतं नमः ॥ ॐ प्रक्रम
 स्तुतं ॥ वादि ॥ ॐ ॥ निकाय
 विवस्तुतं नमः ॥ ॐ वादि
 यत्नं ॥ लाक्षा ॥ ॐ प्रक्रम
 यत्नं ॥ प्रक्रमस्तुतं नमः ॥ ॐ प्र
 स्तुतं ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
 लक्ष्मिदेवताय नमः ॥ ॐ का
 ल्पात्कालाय नमः ॥ अक्षरं ॥ ॐ
 अक्षराय लक्ष्मिस्तुतं नमः ॥
 दिक्षुस्तुतं ॥ प्रथमं ॥ ॐ प्रथम
 यत्नं ॥ यत्नं यत्नं ॥ ॐ यत्नं
 नमः ॥ यत्नं यत्नं ॥ ॐ यत्नं
 नमः ॥ ॐ यत्नं ॥ ॐ यत्नं
 नमः ॥ ॐ यत्नं ॥ ॐ यत्नं
 नमः ॥ ॐ यत्नं ॥ ॐ यत्नं

[illegible]

व्यादधामि॥ घ्रासादह्मयने
 गतावामह्मन॥ गमयलि
 गीगृहीत्वादिहह्मनसि
 मार्कनागृहीत्वासीमार्कधनु
 ॐ॥ नमो॥ उवाचवायाह
 वातयद्युनानाहयदातय॥ यिवा
 सतस्य॥ अत्राहयिमीनिदा
 तासह्यवर्जि॥ सीमार्कनाउरु
 आग्रंतिवहाकिंकलहायु
 ह्माययत्॥ गमयलिगति
 वहाकिंकलहा॥ ग्रह्माययत्
 म॥ पालीरनी॥ उवाचय
 म॥ वादिविहयनी॥ उलीज
 विहदा॥ लाजाविहयनी॥ उ
 पविग्रह्मा॥ यर्वगवानायु
 दली॥ उममिदि॥ अर्जुनलना
 यदली॥ उनकादली॥ पवह
 प्रलीवहनी॥ उज्ज्वहयना॥
 पल्लवमालावहनी॥ उयविग्र
 ह्मा॥ कुलीजकुवहनी॥ उग्रा
 हवर्गलकु॥ पुष्पमालवहनी
 ॥ ॐ॥ मिहमिम॥ उय॥ धन
 विधि॥ ॥ गताहतिवहाकि

वज्रमनपूजयता॥ हि जा
वम ॥ सूर्यार्घ्य ॥ गोसाध
पापपूजा ॥ मर्त्यगला ॥ अ
स्यपूजा ॥ आसन ॥ लोकि क
वा ॥ लिवरवव ॥ उं आया न
लोकीयादि ॥ ७ ॥ गजपुत्र
यनम ॥ वृषारसना यन
म ॥ उं नत्वा याज्ञादि ॥ अ
सन ॥ उं दवस्यत्वा ॥ अर्युह
ली ॥ उं त्वमं जनय ॥ ८ ॥ विक
जली ॥ आवाहनादियुजा ॥
उं विश्वजना ॥ लिवकहोले
उं आह्वयलक्ष्मी ॥ लोकि कल
ली ॥ उं वृक्षयज्ञान ॥ उं महाश
रुतनस्यतीप्रवतयतिकु
न ॥ अथाविष्णुविजातति ॥ ९ ॥
उं नमः ॥ ह्रीं वा ॥ उं आत्मासमि
हकाजसकाजप्रियाशुलि
षर्मा ॥ आवाहनादि ॥ ध्य
दीपकल ॥ नैवद्या ॥ प्रतिक
जाय ॥ स्नायु ॥ उं जलोषका
सकलताथजलनयपुत्र
कुपयलवस ॥ लोहितयुः

व्यमाला ॥ उं सुभूयासुवि
षयमृतिरिषुमर्त्यकीरु
मृत्किमिवलोकियुर्कनममि
अजगन्नादि ॥ अमुनीविस्त
र्जन ॥ यजमानननिवडा
किंकल ॥ द्वयाययम ॥ १० ॥
पयिपुदकिनीकत्वा ॥ यजमा
न्याजल ॥ अजयालाहसह ॥ ११ ॥
आवायली ॥ अर्घ्यागदक
नायुका ॥ अग्रगकुत् ॥ १२ ॥
उं लोहालाकयालासायु
सनद्वारवधजवाधुमन
कर्म ॥ अजयालमतवनी ॥
आवायजयत्या ॥ १३ ॥ सवि
द्विनिवाजली ॥ नाथामह
॥ जोग्यकीयैकर्मसमा
जहत् ॥ आसादक्रियतजकी
यावत्कर्मकमतति ॥ यरुसेन
कलाथयिचिदानी ॥ १४ ॥ सनाय
य ॥ अयैसवाआयसीनिवा
वलोवाहया ॥ सक्तिवावनी ॥
उं नदीहली ॥ १५ ॥ पुनः ॥
जासनपूजा ॥ लिवदक ॥ लो
किवाप ॥ गजगदकनयनय

0 Cms.
5
10
15
20
25
30

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ ह्रीं नमः
गर्व ॥ वं वनलीनि शाय ॥ ॐ ह्रीं
रवादकनयनयन ॥ सर्वेश्वर
दा ॥ सवितास्त्री ॥ नित्यलदानदा
आयानुयजमानसं दुपिनकय
कानका ॥ ॐ श्रवणदिका ॥ ॐ
दवस्यता ॥ अथस्ति जातनय
जा ॥ पुनः पूर्ववत् ॥ आसादि
आत्मयुजा ॥ ॐ नत्वायानि
आसनी ॥ ॐ दवस्यता ॥ अथक
ली ॥ ॐ स्वमज्जय ॥ ॐ चिकन
ली ॥ आश्रयणी कीयादि ॥ ॐ
पूज्यारुमायति वमरुयन
म ॥ ॐ लका ॥ कि दवीनायम
॥ मायति मरु ॥ नीयवददा
नीतिवहा कि नूय ॥ अथमदमी
गलकाजि ॥ ॐ मय ॥ धीन
म ॥ ॐ वक्रयसूनी ॥ ॐ विव्राज
जा ॥ ॐ नमः ॥ ॐ ह्रीं दवि
क ॥ ॐ यावकान ॥ ॐ धी ॥ ॐ
ॐ मदी ॥ ॐ मदी ॥ ॐ मदी ॥ ॐ मदी ॥
निक ॥ ॐ विवावि ॥ विजाड
मि ॥ ॐ य ॥ दिय ॥ दल ॥ ॐ य
पुनिका ॥ ॐ य ॥ ॐ य ॥ ॐ य

ह्रीं नमः ॥ अथगी ॥ ॐ ह्रीं
स्ति जातनी ॥ ॐ पूर्वद्वी ॥ ॐ ग
॥ ॐ मयानि विदली ॥ आसा
ॐ यायात्मायुजा ॥ ॐ नत्वायानि
आसनी ॥ ॐ दवस्यता ॥ अथक
ली ॥ वदनादि ॥ ॐ स्वमज्जय
ॐ चिकनली ॥ ॐ यिषुजा ॥
ॐ यिषीनमः ॥ ॐ नायति
वि ॥ ॐ यिषुजा ॥ ॐ वदकाय
नमः ॥ ॐ यदकाय ॥ ॐ यदकाय
पूर्वद्वी जायनमः ॥ ॐ दवादिवा
यवद्वी जायनी ॥ ॐ नाय ॥ यमम
ॐ वत्तापि ॥ ॐ नाय ॥ वनी ॥
ॐ श्रुतायनमः ॥ ॐ रूगायताना
जायय ॥ ॐ रूगाय ॥ कलहाय
जा ॥ ॐ श्रुति युक्लली ॥ ॐ श्रुति
नादि ॥ ॐ द्वायनमः ॥ ॐ य
अज्जय ॥ ॐ मय ॥ ॐ मय
य ॥ वनलीय ॥ ॐ ययव ॥ ॐ य
दाय ॥ ॐ य ॥ नाय ॥ ॐ नकाय
वक्रय ॥ ॐ नाय ॥ ॐ नाय ॥ ॐ नाय
ॐ यजायनमः ॥ ॐ यजाय ॥ ॐ यजाय
ॐ यजाय ॥ ॐ यजाय ॥ ॐ यजाय
ॐ यजाय ॥ ॐ यजाय ॥ ॐ यजाय

0 Cms. 5 10 15 20 25 30

नमोस्तुभ्यं नमोस्तुभ्यं नमोस्तुभ्यं
 ॥ आवाहनादि ॥ ५५ ॥ दिय
 रुल ॥ नैव ॥ यमाया ॥
 वलि ॥ ॐ दूर्वदा नायवलि
 गृह्ण २ स्थाहा ॥ ॐ नमो ६ ६ र
 वा ॥ आय ॥ स्थाय ॥ ॐ दूर्व
 नवजी ५ वी यक्ष नाक्षस्य
 नमो ॥ ममा ५ ५ नदी कुर्व
 त्रिहृद दानिना ॥ अयम
 ग ५ ५ ॥ ॥ कु ५ ५ ५ ५
 वीग लाय ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५
 अग्नी कार्थ क जामा ५ ५
 सग ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५
 सर्व विद्या निय नमो ५ ५ ५ ५
 दहि ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५
 पाय ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५
 त्वदि यी याद ग्नी व नमो ५ ५
 विष्णु नक्षक ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५
 कया लायदि मास्ति त्रि ५ ५
 दिनी देव ग ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५
 यमा ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५
 तत आ स नाय व ५ ५ ५ ५ ५ ५
 ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५

बुद्ध रूपी विद्यायाः सिद्धा
 सनमा नादयः ॥ युष्मिन्
 लिव ध्याय ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५
 यानिरुतानि स्थावराणि च
 जालिव बुद्ध विष्णु लिवेशा
 ई नदी कुर्वन् नमो ५ ५ ५ ५
 दानव ग ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५
 यनमा ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५
 कुर्वन् नमो ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५
 सन उय विद्या ॥ ॥ तत ५
 कुल्लि कर्म कर्मात् ॥ यद्
 सिद्धा सन कस वा ना वप
 उय वा ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५
 ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५
 वा ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५
 सिद्धा सन नाय वि ॥ ५ ५ ५ ५
 थ ना गु नमो ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५
 वान ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५
 ऊन याव क ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५
 ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५
 सद्दीम नथा वजाहनय रूनि
 मित्यर्थः कमल लय यथा

X

X

ऊर्ध्वसमर्थमाभिमतः॥ ३
वक्ष्येऽपि तु नानिवाप्तवत्
सर्वलोकेश्वर्यं। बापे सर्व
सत्त्वानि। युक्तनिर्मादृष्टः॥
सद्यस्त्विति॥ शीघ्रं ननु वर्त
नं अर्थी वक्तुं सत्यं॥
पादुकास्तस्मात्। जगतीति वा
यगुजवत्तुल्यं नमः॥ शीघ्रं
सिद्धिं ननु॥ ॥ पुष्पराज
नवाकलस्यैषीमखेति
त्वा॥ मृदादि॥ वाक्॥ प्र
वक्तुं॥ मूर्ध्निर्ध्वत्वा॥ न
साद्य॥ यथात्मयुजा॥
अगलसिद्धिनिह॥ कलानि
त्वाककयावा॥ वलियुजा
उं मदी॥ ००० तुल्यादि॥ य
रुं कर्मयाय॥ मालक॥
युग्मकलवा मदी॥ नः क
मान्ति॥ तुल्य॥ यथा॥ विधि
मन्त्रकलल॥ र्वनी॥ गतः
पूर्व॥ ००० तुल्य॥ र्वनी॥ ग
त्वा॥ मय्यामन्त्रकलनिनी

क्लीं॥ ॐ नमः स्वायामि ॥ १२॥
 आसनी॥ ॐ दक्षस्वत्वा॥ अ
 स्तु क्ली॥ ॥ धनी॥ ॐ न
 जावत गजा नूट इमव नु
 कि नाटिनी॥ ॐ क्रीमदम्भ
 नयनी॥ वदुयालीविराव
 न॥ ॐ नुयधनयूव्य
 नमः॥ नमः यूननी॥ ॐ
 ॐ नुयनमः॥ ॐ ॐ ना
 नलायनमः॥ ॐ यत्वाजि
 ॐ ग॥ ॐ कनि॥ वदुय
 नमः॥ ॐ कनिकुदजन्म
 पुत्रवाम ॐ यस्मिन्वावमदि
 तवना वसुमीगल ॐ ॐ क
 नरुवा ॐ अस्मिन्वावमदि
 दिमावि ॐ विदु॥ ॐ रु
 ला कायनमः॥ ॐ ॐ नुय
 वदुासि वाजसा स्यामीवा
 जहसत॥ वजस्य नुयसव
 मातनीमदिमादिति नामव
 साक जातह॥ यस्यामिदवि
 ॐ नुयनमावि ॐ तस्या
 दव ॐ सविता धर्मसाविता
 ॐ विपुलकृपायनमः॥ ॐ

५
०
५
१०
१५
२०
२५

य॥ दाय॥ रुल॥ नेवसा॥
पमिळा॥ जय॥ साय॥ उंद
वा नीयसर्वधीपविनीं हानः
शयक॥ गुंरुमूलनिमामुल
शव॥ सुवि॥ जद॥ अरु
ग॥ दि॥ उं कयानविपुतिः
क॥ नयजिह्वनी॥ ॐ ति
गुंरुकल॥ र्वनी॥ ॥ उं अ
जयनमः॥ उं अजिर्क॥ दी॥
उं यमायनमः॥ उं यमनदकी
उं यमसायनमः॥ उं यमद
वा॥ वर॥ यनमः॥ उं ॐ म
मवर॥ उं वायवनमः॥ उं न
ववाय॥ उं कव॥ यनमः॥
उं कविर्दग॥ उं ॐ नी॥ नायन
उं अरि॥ उं अनकायनम
उं गालियदा॥ उं बुद्ध॥ न
मः॥ उं बुद्ध॥ न॥ उं ग
क॥ लयनमः॥ उं ग॥ नी
त्वा॥ उं गुंरुकल॥ यनमः॥
उं वृहस्पत॥ अ॥ शवाहनादी
वदनादन॥ वलिपुदानी॥

५
१०
१५
२०
२५

अ॥ वायदा॥ अरुगी॥ दि
कीकुत्वा॥ ॥ न॥ व
॥ किकल॥ र्वनी॥ आशा
अ॥ वाय॥ य॥ अ॥ य॥
उं गत्यो॥ जि॥ अ॥ र्वनी॥ उं
दवस्यत्वा॥ अ॥ र्वनी॥ ॥
॥ र्वनी॥ उं वि॥ व॥ य॥ मा॥ ना॥ यित
जो स॥ द॥ बो॥ ना॥ ज॥ य॥ ला॥ मा॥ य
ति॥ म॥ र्क॥ि॥ य॥ मो॥ दु॥ र्वा॥ व॥ दा॥ को
॥ वि॥ व॥ ॥ किक॥ न॥ यो॥ अ॥ य॥ य॥ द
मी॥ ग॥ ल॥ का॥ जि॥ नो॥ तो॥ ॥ उं वि
बु॥ व॥ न॥ मः॥ वि॥ व॥ न॥ ज॥ द॥ ॥
उं ॥ क॥ य॥ न॥ मः॥ ॥ उं ॥ अ॥ य॥ न
ल॥ सी॥ ॥ उं स॥ द॥ य॥ ॥ वि॥ ॥ वि
व॥ क॥ ॥ न॥ दा॥ ॥ ॥ उं अ॥ य॥
री॥ य॥ ॥ ॥ किक॥ ॥ न॥ दा॥ ॥
वि॥ वा॥ ना॥ मा॥ ति॥ ॥ ॥ ग॥ म॥ य
लि॥ सा॥ ॥ क॥ य॥ ॥ उं वृ॥ ह॥ स्प॥ त
कु॥ दि॥ न॥ सि॥ वा॥ य॥ न॥ म॥ न॥ द॥
दि॥ न॥ क॥ शा॥ क॥ ॥ मा॥ मी॥ न॥ द॥ दि
श॥ वा॥ ह॥ ना॥ दि॥ ॥ अ॥ य॥ ॥ दाय॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

विद्युत्कर्म

[illegible]

दमलमधगीयलावन
मेवमीमहरीयविरावयत
मया **अलि**॥ उंताअस्यसु
उंराफमयय॥ उंयूनस्यादि
उंरूमदवा॥ उंय्यावतला
उंअपुननममयूरयउम
पामृतयुल्लिख्यारुवतवाडि
न॥ देवीनावायावडुमि॥ युह
लि॥ ककुनावाडासुनायमा
जहंरत॥ **आवादनदि॥ अरु**
वेमादि॥ उंअवलेवा॥ ८॥ व
हस्यतकुदि॥ **कुटी**॥ उंअस्माक
मिद॥ **अजा॥ पूय॥ दाप॥ द**
ल॥ नेवय॥ प्रमिका॥ जया॥
मुनि॥ उंरुद्व॥ नी॥ अयग
आदि॥ कुलीनजडा॥ उंक
यानाविया॥ गताथलि
लियुजा॥ आसाद्येयाप्रयुजा
सयुजा॥ उंनलायामि॥ **आस**
नी॥ उंदवस्यत्वा॥ **असूदनी**
दानयुजा॥ उंदाजायनम॥
उंकुयायनम॥ उंयनाकाय
नम॥ **अजायनम॥ आनी**

यनम॥ उंवृहस्यगअति॥
उंरुकायनम॥ उंअनात्य
उंलीनेवजायनम॥ उंलीमा
उंनारवनम॥ उंकयाननिय
उंकनवनम॥ उंकुडुव्वनक
उंअमननम॥ उंताअस्यसुद
उंकुयानम॥ उंवृहस्यगकुदि
उंअजायनम॥ उंअस्माकमिद
पूय॥ दाप॥ जाय॥ क्षय॥
उंनकावर्तुमदानजायकप
यसुआविनी॥ शफावचमा
कूटग्रहजडीनमा मीह॥ **अरु**
गआदि॥ कुलीनजा॥ उंकया
नविया॥ **रुआदिस्यग्रहय**
जा॥ ॥ गमआदिस्यदिवादि
पायप्रजा॥ ग्रह॥ पूजा॥ विधि
वडा॥ **आनी॥ वद॥ मुनि॥ थव**
ना॥ ॥ गतामहरीजयकल
लीयुजा॥ **आस॥ अर्थयाप**
पूजा॥ उंनलायामि॥ **आसनी॥**
उंदवस्यत्वा॥ **असूदनी॥ आ**
नी॥ उंरुमुकदहीकाणीव

0 Ctns.
5
10
15
20
25

ॐ वन्द्युकायिनर्गुहालिप्तक
लेधर्जस्रजवकीवहर्नहस्तः
०१ लीकयालीवजरयर्दवाभूदा
हैरजाभि॥ वाभा नूस्तर्गमा
प्रिया कननविवा नूनका
यलागा॥ हस्त जाह्नु कदहैमवि
मयविलसदूषभायाप्रियाया
वर्गयजा॥ ॐ हस्तवायेनमः
ॐ गीगलायेनमः॥ ॐ कनालिः
कायेनमः॥ ॐ महाकुम्भायेन
मः॥ ॐ महववायनमः॥ ॐ
विहलहस्तायनमः॥ ॐ कया
ल्लोदेयनमः॥ ॐ कर्तुहस्ताय
ॐ दावादेवी॥ ॐ वृहस्पतकृदि
ॐ ॐ दुर्गासाय॥ ॐ अस्माकमि
ॐ श्रीमालरवीनकविदेमादिहैः
साः यथियासीरवा॥ अयहैसिदी
साखधिमिहमिजानः पुलिना
यमहमहोरगमा॥ अतस्तदव
वनस्यगहागवआविजाहस्तहः
अवधुविषयहै नृदम॥ ॐ यक्ष
वाला॥ ॥ **कललहस्तय॥** ॐ अ
०१ कलवादि॥ **ध्या॥** दाय॥ **उप**
ॐ द्वादीनमः॥ विवायनमः॥ १०
मुनि॥ यन्त्रा नूदकम्पि

नूदकाननिवाहिनः॥ सोह्या
०१ वदुयकचिन्हा नूका ननिर्व
हिनः॥ मात जा नूद नूया०१ ग
०१ नामवियमि॥ विद्युदता
रुथा नमदि विदिसमालिता॥
ॐ कयानमि॥ यनिरुननी॥
यदुगि॥ ०१ वयावयुजायाय॥
विहारीव॥ ॥ **कलिलयजा**
न्यासायैत्ययुजार्क॥ पूर्वनादि
महाकाला॥ याभाहैगिनिनाय
को॥ वा नूलेवृषरुक्तदो॥ दवा
वज्रतदूर्ध्व॥ ॐ नदिननमः
ॐ नमः॥ १० हस्त॥ ॐ महाकालाय
ॐ नमावकुम्भा॥ ॐ हस्तिलनमः
ॐ सयसयमः॥ ॐ विनायकान
ॐ गलाया॥ ॐ वृषलायनमः॥
ॐ कलाकानामिदुमुनि०१ न०० दु
वयायमा०१ वृषरुक्तजाभाहू॥
घृतपूजाप्रनसाप्रदयकी॥ हस्त
मः॥ ॐ यदुवाला॥ ॐ दधे॥
ॐ अन्वश्रमिक॥ ॐ वज्रयय॥
ॐ नमाकुमालग्रावाय॥ **तताव**
यय॥ ॐ वक्रालेध॥ ॐ जेजीव
उम्भवाया०१ अकाला०१ अ
निती० कलु० कयाविनी वाभ

बुद्धात्ताईससहस्री ॥ वद ॥
 ॐ बुद्धाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते
 ॐ विनयान्तरालहरी वज्रयस्य
 ॐ बुद्धमालिनी कपालमालिनी
 ॐ श्रीपद्मनी चमरहस्तिनी ॥ व
 द ॥ ॐ मातृदाम ॥ ॐ कोमा
 येनमः ॥ नकांठकिं च नीदवीन
 कपालाविरुचिनी गिरिवरकृत
 मातृदो कोमा नंदनयिनी ॥
 वद ॥ ॐ श्रामिदुः ॥ ॐ विसृष्टे ॥
 ॐ न ॥ वक्रवद्वगजययवदुदः
 साकंतादगं ॥ श्रीगजयिनी ॥
 यद्वेष्टुर्वीवनमालिनी ॥ वद ॥ ॐ
 दैविक ॥ ॥ ॐ बाजाये ॥ ॐ
 ॐ कृष्णाङ्गिनी धनीकु ॥ ॐ लका
 ॐ नृकालिकी हरवन्दी वनादि
 नीनाम्नीरुचिरहस्तिनी ॥ बाजाये
 दिवाहृष्टमालिनी ॥ ॐ विनी ॥
 वद ॥ ॐ यस्य कृष्णा ॥ ॥ ॐ
 ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
 ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
 मथवायववर्जुनी ॥ सहस्राक्षगजा
 नृदी हमासीवद्विनी ॥ ॐ
 तुली सवसिद्धी ॥ वसालीकाल
 सयुती ॥ वद ॥ ॐ श्राना नमिदुः

[illegible]

यत्तु ली। हा कुद बाह विव्य नि
नमस्तु वलि मस्तु या। अथ गन
आदि॥ ॥ उं वा सायन तडा मस्तु
यं उं द मा स न न म ॥ **युष्मि नम**
॥ नै॥ या त व लु यु मि ला णी यु क
कै व न दी क री। स र्व ण स पु व का
नै वा स धु ॥ य त हा दा ॥ उं य स
कु म्भो ॥ **आ वा ह ना दि॥** **ऊ य ॥ मु**
॥ स र्व ण ॥ उं व रु त वी स र्व का र्म
य नि षि त ॥ **यु व क णी नि ॥**
मु न म स्तु वा स द व ता ॥ **अथ**
ग ॥ आ दि॥ ॥ **ह नू म न् वा य म्**
रु यं उं द मा स न न म ॥ युष्मि न
॥ नै॥ वा य म् नू म हा वा मि वा य
व र्गी यि ला य नै। पि ष्ठ ले म् रु मि के
ह र्क ॥ य त ह नू म न् नू द ॥ उं
ता व्रा न् यो षाः ॥ **आ वा ह ना दि॥** **ऊ**
य ॥ मु नि॥ न क व लु म हा वा न
वा य म् नू म नि ला च न ॥ क तु म ल
रु ल य ता ह नू म ना य न न मः
अथ ग ॥ आ दि॥ ॥ **वि लो ष**
॥ य अ का ण म् रु यं उं द मा
स न न म ॥ **युष्मि न म ॥ ॥ नै**
॥ यो ल स रु णी ल रू त ॥ कै क म

नि म्म लु क्क म म ॥ **॥ ॥ ॥**
॥ ॥ न क व लु न म म् रु य य द
ह रू न म न म ॥ न म ॥ का ॥ य य
॥ ग ग य ला क ॥ दि न म न म ॥
थं लु ल मु नि॥ ॥ न ता अथ
म रु न ॥ वा दि॥ **यु क ॥** **या सा अ**
र्थ य स ॥ यु क ॥ न ल य मि ॥ आ
स नी ॥ द व स य ॥ **अथ क ॥** **उं**
अथ क ॥ नू य था वा म् रु यि ॥
द मा स न न म ॥ **युष्मि न म ॥**
॥ नै॥ उं ॥ म व लु म हा वा मि स
अ य नि र य पु र्द ॥ **अथ क ॥** म हा
दा ॥ य य ला वा य म् रु त र्क म ॥
उं **अथ क ॥** वा नि ॥ **आ वा ह ना दि**
मु नि॥ **आ य ॥** उं व रु क जा नि न म म्
रु यं द ॥ वा य म् रु त र्क म ॥ व द वा दी
ग र्ही यु क म ॥ **॥ ॥** म हा य न न म ॥
अथ ग ॥ आ दि॥ ॥ **॥ व ल यं उं दः**
मा स न न म ॥ युष्मि न म ॥ ॥ नै
॥ उं क रु म नू द यी वा दू कि मि स र्ग
वृ ती रु त ॥ म नि न ल रु यी ह र्क ॥
य त व व ली स दा ॥ उं म दि यो ॥
आ वा ह ना दि॥ **अ य ॥ मु नि॥** **उं रु**
मि स ॥ र्ग म् रु यी य र्क रु मि दा न न

0 Ctns.
5
10
15
20
25

रुद्रयाजुजः गङ्गाधराजाक्षर
ॐ नमः शिवाय ॥ अवाहनादि ॥
जय ॥ मुनि ॥ योलसायकुल
सीजानी ॥ लीकाया ॥ ललितहादाः
जाक्षरा ॥ यियमिह्येवनमस्तव
विहियल ॥ अयग ॥ अदि ॥
कपायवयुमस्तु ॥ ॐ दमास्तन
नमः ॥ युष्मिनमः ॥ ॐ नै ॥ ॐ
प्रवर्तुमहातर्क ॥ ॐ वतपीनः
महायुनि ॥ राजद्वारकुलजाता
ॐ यनैकयवीचवान् ॥ ॐ अय
ॐ सहस्रा ॥ अवाहनादि ॥ जय
मुनि ॥ मयिजातनमस्तु ॥ रज
द्वारकुलादवता ॥ काच ॥ अमि
ॐ मनुष्यकपायवयुमस्तु ॥
अयग ॥ अदि ॥ ययन ॥ जासाय
विष्णुमस्तु ॥ ॐ दमास्तनमः
युष्मिनमः ॥ ॐ नै ॥ ॐ यमदग्नि
कुलादूनायामीकनसमप्रहे ॥
ॐ यत्यज ॥ जास ॥ ययन ॥ या
लि ॥ वसवदा ॥ ॐ यजायतनव
अवाहनादि ॥ जय ॥ मुनि ॥ ॐ
कार्त्तिकार्यविना ॥ ययमद

जिनस्तारुमी ॥ कविबर्गविना
ॐ ययन ॥ जासायतनमः ॥
अयग ॥ अदि ॥ ॥ मार्क ॥ यय
विष्णुमस्तु ॥ ॐ दमास्तनमः
युष्मिनमः ॥ ॐ नै ॥ ॐ नदिदु
निलहा ॥ ॐ मयिजाकावयु
दश ॥ कुशारयवनी ॥ अय ॥ मार्क
ॐ यीव ॥ ययन ॥ ॐ ययम
अवाहनादि ॥ जय ॥ मुनि ॥
ॐ वटवृक्षसमायुक्त ॥ कुशार
ॐ लल ॥ अमिनी ॥ मयिजाकन
मस्तु ॥ मार्क ॥ ययनमः
अयग ॥ अदि ॥ जय ॥ यय ॥
दय ॥ मेवय ॥ ॥ तताज
थयका ॥ यातवृक्षनयदी
लिखत् ॥ ययययिह्यय
नि ॥ ययत ॥ यययि ॥ यय
यियनयत् ॥ ॥ ययययि
दहादीनि ॥ यय ॥ तसाययिउ
त्यलसहिनी ॥ तद्वद्विप्रधू
ययिययिता ॥ ताम्रपायकन
कद्यपितस्तु ॥ ययिनि ॥
या ॥ नकवरु ॥ नकवरुन ॥
कययन ॥ कुकुर ॥ यगाका

यामला मयूना सहितानि
आय॥ ततः यदने॥ आसु
दि॥ उंगलयनयनम॥ ३॥
गुपूथानम॥ आ॥ आ॥
दि॥ अ॥ अ॥ अ॥ का॥ स॥ ना॥ य॥ न॥
म॥ ॥ ३॥ उ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
का॥ य॥ न॥ म॥ ॥ ३॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
य॥ ज॥ ग॥ ता॥ कु॥ द॥ स॥ न॥ म॥ ॥ ३॥
क॥ पि॥ ला॥ य॥ कु॥ द॥ म॥ कु॥ द॥ स॥ न॥
उ॥ अ॥ म॥ व॥ का॥ य॥ अ॥ न॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
स॥ न॥ म॥ ॥ ३॥ उ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
कि॥ कु॥ द॥ स॥ न॥ म॥ ॥ ३॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
स॥ य॥ क॥ र्ज॥ न॥ ति॥ य॥ थ॥ म॥ क॥ व॥ कु॥ म॥
का॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
ना॥ रि॥ व॥ कु॥ म॥ अ॥ य॥ म॥ न॥ व॥ य॥ न॥
मा॥ वि॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
॥ १॥ ॥ ३॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
जि॥ न॥ ॥ य॥ अ॥ य॥ य॥ य॥ का॥ म॥ य॥
न॥ अ॥ वा॥ य॥ थि॥ ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
म॥ हि॥ म॥ न॥ य॥ ना॥ य॥ न॥ म॥ न॥ य॥
अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
उ॥ अ॥ थ॥ वा॥ द॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
म॥ य॥ ग॥ य॥ थि॥ नि॥ हि॥ त॥ म॥ म॥

वर्मतज्ञा जथमूपहा ग्मं
सदमविष्ठा राकयूं ह्मने
ह्यमाना॥ ३॥ उ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
चि॥ क॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
थ॥ ग॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
नी॥ ग॥ म॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
व॥ कु॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
व॥ अ॥ य॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
व॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
मु॥ न॥ ना॥ व॥ कु॥ न॥ ना॥ म॥ अ॥ अ॥ अ॥
य॥ नि॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
मा॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
दि॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
न॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
म॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
प॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
सि॥ य॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
ना॥ व॥ कु॥ न॥ ना॥ म॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
आ॥ य॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
वा॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
ता॥ वा॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥
आ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥ अ॥

वलुमहागजाचक्रयद्वा
 सुखाजिनी॥ हयाश्चपथ
 माचरुं ग्रहचार्त्तनमाम्य
 दं॥ अग्न्यादि॥ ॐति
 पथयुजा॥ ॥ ॐलकीन
 ॐआश्वात्॥ ॐहिमेनमश
 ॐशीमालंरवा॥ ॐयकायन
 ॐअग्निश्चक्रावदहनश्च
 गिनश्चमनाश्चयुक्ताश्च
 चक्राश्चक्रिस्तुष्टिश्चनदा
 अस्तिस्वाहा॥ ॐयक्षन्नेन
 ॐयुक्तायक्षन्नेमायुक्ष
 कायवृद्धयति॥ पुवाश्च
 वीददातुनस्वाहा॥ ॐवज्र
 यनमश॥ ॐवज्रक्ष्मणं॥
 ॐयनागयुजा॥ सुयना
 गयनमश॥ ॐनमोर्षाया॥
 गतश्चतुर्विम्बयुजा॥ आ
 हा॥ ॐतन्वासाभि॥ आसनं
 ॐदवस्तुत्वा॥ अस्तुक्ष्णी॥
 ॐवद्युपसफदेहासनायन
 मश॥ ॐनी॥ ॐहोअमना
 दूमरीदवीआदिनीसदिति

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

शमिन्धतामूनवुक्ताः ॥
 वसुनाथमूर्तिः ॥ घृतनक्ष
 तन्वस्यर्द्धमस्यसखाः सनु
 यजमानस्यकामाः ॥ आवा
 दनादिः ॥ पूषादिः ॥ नैवद्य
 युगिकाः ॥ जयः ॥ स्तुतः ॥ ॐ
 ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
 नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
 दिनादयजुः सदानमामुन
 अग्नयः ॥ ॥ सगुणय
 ज्ञाः ॥ वसुः ॥ ॐ वसुः ॥ यविनुः ॥
 सूर्यः ॥ ॐ सूर्यः ॥ ॐ सूर्यः ॥
 अस्माकमिनुः ॥ ॐ हि नमः ॥
 ॐ दधिवाप्रा अकानिदीः ॥ ॐ
 दिवायिः ॥ ॐ दध्नाः ॥ यदध
 कः ॥ ॐ त्वजविमुदाः ॥ ॐ याः ॥
 लिनीः ॥ ॐ श्रीः ॥ ॐ नमः ॥
 यजुः ॥ ॐ यजुः ॥ ॥ ॥
 पूनः ॥ यजुः ॥ ॐ यजुः ॥
 ॐ ॥ ॐ हि नमः ॥ ॐ
 वीर्ययः ॥ ॐ यजुः ॥
 ॐ याः ॥ ॐ वीर्ययः ॥
 ॐ ॥ ॐ कुरुः ॥ ॐ
 अस्माकमिनुः ॥ ॐ अजिद्युक्

ल०॥ नमो नमो सादि॥ अर्द्धमा
सा॥ ०० सादि॥ २१॥ आवाहनादि॥
सुनरवर्जनिवदयत्॥ ॐ यस्तु
स्यास्ययजि स्त्रीदि॥ मूर्ति न आ
तवावजत्॥ एतस्मिन् सुनरव
र्जिदिगृहालयजमेष्वन॥
होवर्जकि कल ५॥ यजिस्तु
रवर्जि स्थापयत्॥ ॥ तमादान
दुवायजा॥ ॐ श्रीरवायवर्जलदेव
तायेनमः॥ ॐ हि नल्यम्रीमिदे
वतायेनमः॥ ॐ वर्मिष्टदस्यमिदे
वतायेनमः॥ ॐ अर्धवर्जलदेव
तायेनमः॥ ॐ रवर्जि विष्णुदेवता
येनमः॥ ॐ कृगयर्जदेवताये
नमः॥ ॐ सर्मि विष्णुदेवताये
नमः॥ ॐ वरुणस्यार्कनमस्ति
वरुणस्यार्कनसर्कुनास्त्ववरु
णस्यार्कनसदस्यसि वरुणस्यार्क
नसदस्यनमस्ति॥ वरुणस्यार्कन
सदस्यनमो सादि॥ ॐ अयमग्निः स
दस्य ५॥ वाक् स्यार्कनस्यमिः॥
मूर्ति कवा यमा ५॥ ॐ वरुण
नकुदि॥ ॐ नमो मित्रस्य वरुण
स्य वरुणस्यार्कनसदस्यनमः॥

सययन॥ दुजद ५॥ दवजाता
यकनवादि वस्तुनायस्यार्कन
५॥ सत॥ ॐ विष्णुर्नर्कवायि
नियुवायैयः यार्थिवा निविम
नजका ५॥ ॥ या १ अर्धस्यार्कन
दुस्त नर्हस ५॥ स्थापि वकुमा
लस्तु ५॥ अर्धस्यार्कन विष्णु वस्तु
ॐ अर्धस्यार्कन विष्णु वस्तु
हाला नादवादानमः॥ निहाना
सक्तिवर्जदिमि॥ ॐ प्रतदि
स्तवमवार्कनमः ५॥ नरुण
५॥ कुवजागिजि ५॥ यस्या
चमृतिष्णु विकुम ५॥ यार्थि
दि यार्थि नु वनानि विहमः॥
वादि॥ ॥ ॐ वरुणस्यार्कनमः॥
५॥ स्थापि दियुजा॥ ॐ अर्धस्यार्कन
ॐ विष्णु नजका॥ ॐ नमः ५॥ रवा
ॐ श्री ५॥ नल॥ ॐ हि नल्यवर्जु
ॐ नमो मित्रस्यार्कनमः॥ ॐ वरुणस्यार्कन
तमा वलि युजा॥ ॐ गला नाका
ॐ यानवदस्य॥ ॐ ०० नुदाय
ॐ घृती घृतया वा॥ ॐ नमो वरु
स्तान विहम ५॥ वन वलि मा

0 Ctns.
5
10
15
20
25

लका॥ दुखा॥ धिरवा॥ युजा॥
उं समरवदवा॥ तलाकलीक॥
युजा॥ उं या ओदि॥ हाखादाया
ओदि॥ हाखादादहि॥ ओदि॥
हाखादावाओदि॥ हाखादायुता
ओदि॥ हाखादावाओदि॥ हाखा
दादाओदि॥ हाखादावाओदि॥
हाखादाहुओदि॥ हाखादावाओ
दि॥ हाखादावाओदि॥ हाखादाया
ओदि॥ हाखादा॥ ॥ रवालगर
युजा॥ उं अं गजायसुमिनदा
यदिअमरुसुयनम॥ वगदु
खादा॥ उं अग्निर्दुर्द्धा॥ उं हने
वजायसुसुयययदिअमरु
यनम॥ बलीगदुर्द्धाखादा॥ उं
हाखादवा॥ उं जहवसैहिका
यदिअमरुसुयनम॥ बलीग
दुर्द्धाखादा॥ उं कयानहियु॥
जाक॥ उं दाओयुसा॥ दधि॥
उं दधि कायु॥ रुला॥ याहरु
लिना॥ एतमरु॥ उं हूहुअ
नदयकाभवहुअमदिमि
सनखतिमदिमि॥ एता
मि॥ अं अनामानिदवयासा

सुदतमृतु॥ गजागहा॥ ॥ ॥
गुसकोमायायुजा॥ उं नमोग
हाखागहायमि॥ उं अग्नि॥ मेहा
उं यातवदहा॥ अकासमासा॥
उं अस्माकमिनु॥ उं समितहूही॥
कसकन॥ उं अं अतलका॥ हि
धुमरु॥ उं वगुसहा॥ एदि॥ ॥
उं धनसि॥ धुय॥ उं मकासि॥
दाय॥ उं याहरुलिना॥ रुला॥
उं अमयन॥ नेवय॥ उं मनाका
मि॥ युमि॥ ॥ जाय॥ सायु॥
उं जवाकसुमरीकारका॥ ययमी
महादुतातमाविस्तवयायकने
पुनमादिवाकन॥ उं हूहुदवन
ममुली॥ अगुग॥ एदि॥ ॥ ॥
अधयदाहा॥ अर्न॥ अहाजयुज
लहावयुसा॥ नर्मल॥ एहाम
यातसहालकाजवायमालअ
मेदहाकिया॥ पुनहामयुद
वविनी॥ अग्निमानामउं हूहा
मायसुसुययखादा॥ ॥ उं हू
जावता॥ उं हूहुविमुवि॥ ॥
यसुवायुना॥ नयकजवाहा
म॥ एतादुमि॥ एतादुमियु
समममरु॥ यथातमिलो
दुमिदहा॥ गलायमि॥ ॥

[illegible]

ॐ म ह्रि द्यो ॥ वास या ॥ वि ल
ॐ य स कृ मी ॥ ह न म न या ॥
क या ना ॥ उ ता वा यो मी ॥ वि ल
व न या ॥ र व य न ॥ उ न क सी ल
॥ ॥ कृ य या ॥ इ म न ॥ उ म
य हं स ह म म ॥ य नु न म या ॥
यु क स मि ॥ उ य न य म न ॥ म क
॥ य म या ॥ व य स मि ॥ ॐ सः
य स य य ॥ ॥ अ थ स व द
व ता य आ दू मि द या न ॥
म ल न ॥ १०८ ॥ म नो दू मि ॥
व व न का कृ य न म नि ॥ यः
न दी य वा द य त ॥ ॐ मि न न
ह म ॥ ॥ न म य भ क र्म का न
य त ॥ ॐ न काली व य का
या य डा ॥ व न न ग क ल स न डा
य क ॥ ॥ पु र्वा ॥ अ उ ॥ द क्षि ण
ह क ॥ पा न्त्रि म ॥ ना य ॥ उ र म न
य य ॥ ॥ न त ॥ य डी नी ॥ सू मी
य ॥ या स ॥ अ द्या य य डा त्र म य
डा ॥ ॐ न त्वा या मि ॥ आ स नी ॥ द
व स त्वा ॥ अ स क नी ॥ न त ॥ क र्थ
आ वा ह नी ॥ ॐ आ ग नु नु म हा र्
म ॥ स म डा ॥ स नि का दू दा ॥ य
रा ही नी मि षी व व क क र्ति क य

0 Ctns.
5
10
15
20
25

कवीगया॥ लीं गोम॥ ७५ ॥
कलुः नर्मदावतनस्यता॥ गीग
वयमनायेदनिमिषं नृदमरा
लमी॥ सानाथयकमानस्यमय
सर्वनिमकिता॥ सजीत॥ साः
गना॥ सवसमूडा॥ ७६ ॥ दानदाः
श्यायानुयकमानस्यद्विगक्षय
कानका॥ ७७ ॥ खनवपु॥ ७८ ॥
ल॥ ७९ ॥ जलदाययत॥ ८० ॥
गीगयेनम॥ ८१ ॥ अमिनु॥ ८२ ॥
दकि॥ ८३ ॥ अमनायेनम॥ ८४ ॥
अंशिममा॥ ८५ ॥ अस्यादि॥ ८६ ॥
वनेसिदितागुक्तनवतन॥ अ
सिहामनसमयाविद्यक॥ ८७ ॥
इस्यालेदिविवनानि॥
यसिम॥ ८८ ॥ नर्मदायेनम॥ ८९ ॥
अंम॥ ९० ॥ अथाप्रमस्यय
९१ ॥ सर्वसादेवकिस्त्रिवाता॥
उरुवा॥ ९२ ॥ अजययेनम॥ ९३ ॥
अंम॥ ९४ ॥ अथिकाय
९५ ॥ अंम॥ ९६ ॥ अथिवाता॥ ॥
अथथाय॥ ९७ ॥ अंम॥ ९८ ॥
युवीजातादवस्यमिपूगीयुजा
ममेनूवयुला॥ मदेहसरी॥ ९९ ॥
निसकव॥ १०० ॥ ॥

यजमानस्यलहा॥ ह्यशि
कासनसतययजमानयुद्ध
रिमूरव॥ नर्मकुनादि॥ अंम
कोरुहि॥ वलि॥ अंम॥ अथा
य॥ मता॥ अंम॥ अंम॥ अंम॥
वस्यया॥ नी॥ सावरुनी॥ अंम
त्यागामि॥ अजमानस्यकुया
काअसा॥ अत्य॥ कतु॥ अंम॥
द्ययुक्ता॥ उयनन॥ क्षीयक
मयावकममाल॥ ॥ मति
कास्तानयावक॥ वाक्॥ १०१ ॥
ना॥ यजमानयात॥ खयाली
खनदायक॥ थ॥ कालिवा॥ न
कीना॥ वा॥ कलसम्यानक॥ ली
खदायकिविष॥ गजदेकम
अंम॥ १०२ ॥ अथिकाय॥ यावावा॥
अंम॥ १०३ ॥ अथिकाय॥ निवृत्त
सिनिवृत्त॥ अंम॥ अंम॥ अंम॥
नमनायासिबमवमममलाकु
नीयुन॥ वा॥ देवनिषलादि॥ वा
लीक॥ अंम॥ अथादि॥ ॥ थिव
वायावा॥ अंम॥ अथावा॥ अंम॥
गुवा॥ अंम॥ अथावा॥ अंम॥
अयकनयता॥ अयकनयति॥
स॥ अंम॥ अथावा॥ अंम॥

दुर्देवतीमुखमर्दिसंप्रद...
 ननदाननरुद्राणावनदाख
 नु... उकादान्कलादान्काश
 दान्कामादान्काशदानाका
 मोक्त ॥ हवर्गुदिकि ॥ ॥ ॥ ॥
 र्दिक ॥ अर्गुग ॥ ॥ ॥ ॥
 नलसालायन... सफपथजा
 यक... अर्गुनस... नजननद्र
 सर्ग... यमवायावयमसहन
 यक... मनु... दारुलखान
 अर्गुग ॥ लिमनु ॥ ॥ ॥ ॥
 दिगयगीकुदवसवादेवता
 लीपुलापामि ॥ ॥ ॥ ॥
 पूजायावकमाल ॥ ॥ ॥ ॥
 पुं... पुं... पुं... पुं... पुं...
 लीपामि... ॥ ॥ ॥ ॥
 ताकुदयुजापामिदेवतालीपु
 लीपामि... ॥ ॥ ॥ ॥
 पुं... पुं... पुं... पुं... पुं...
 मि... ॥ ॥ ॥ ॥
 पथिवीकुदवदवताली
 पुलापामि... ॥ ॥ ॥ ॥
 अर्गुग ॥ दलापदेवताली

युनामाभिः ३ अक्षरायुक्त
लताः स्नानं न लयनकमा
ल ॥ उं हयपदिम वयम् ६८
हृन्मद्वता लीयुनामाभिः १
नथ सप्तायगत्वा सप्तमः
र्थः ॥ नथ हृन्मद्वता ॥
व्याहृन्मद्वता ॥ उं हृन्मद्वता
तगा ॥ उं हृन्मद्वता ॥ उं हृन्मद्वता
सि ॥ उं हृन्मद्वता ॥ उं हृन्मद्वता
विवा ॥ उं हृन्मद्वता ॥ उं हृन्मद्वता
वृहस्पतिः ॥ उं हृन्मद्वता ॥ उं हृन्मद्वता
मिजाव ॥ उं हृन्मद्वता ॥ उं हृन्मद्वता
॥ उं हृन्मद्वता ॥ उं हृन्मद्वता ॥
रान्ति कयद्वता ॥ उं हृन्मद्वता ॥ उं हृन्मद्वता
वर्नेय्या ॥ उं हृन्मद्वता ॥ उं हृन्मद्वता
मादिह ॥ उं हृन्मद्वता ॥ उं हृन्मद्वता
ग्वस्तीतनक ॥ उं हृन्मद्वता ॥ उं हृन्मद्वता
ध ॥ उं हृन्मद्वता ॥ उं हृन्मद्वता
दीय ॥ उं हृन्मद्वता ॥ उं हृन्मद्वता
हृन्मद्वता ॥ उं हृन्मद्वता ॥ उं हृन्मद्वता
हृन्मद्वता ॥ उं हृन्मद्वता ॥ उं हृन्मद्वता
हृन्मद्वता ॥ उं हृन्मद्वता ॥ उं हृन्मद्वता
हृन्मद्वता ॥ उं हृन्मद्वता ॥ उं हृन्मद्वता
हृन्मद्वता ॥ उं हृन्मद्वता ॥ उं हृन्मद्वता

गगः ॐ दुविम्वसूजा॥ अर्थ
 ॐ श्रीरवकी नाम् ॥ अथ ग ॥ अदि
 वाक् ॥ यज्जा॥ यज्जुर्वदाय ॥
 यिन वाक् ॥ य ॥ दमासनेन
 म ॥ य ॥ नम ॥ ॐ ॥ अदिना ॥
 ॥ य ॥ दाय ॥ अथ ग ॥ अदि ॥ ॥
 मिलकु ॥ जला ॥ दाय ॥ ॐ ॥
 जच्चनु ॥ सरीका ॥ ग ॥ य ॥ क ॥
 मायिवा ॥ सर्वरुतस्य ॥ य ॥ त्व
 ॥ जच्चनु ॥ क ॥ य ॥ म ॥ ॥ जच्चनु
 विम्वदाने ॥ दान ॥ वा ॥ क ॥
 ॥ नदद ॥ अथादि ॥ वा
 क ॥ ॐ ॥ चनुविम्वदानस्या
 न ॥ च ॥ न ॥ स ॥ म ॥ य ॥ नि ॥ न ॥ द
 न ॥ म ॥ य ॥ य ॥ क ॥ क ॥ नु ॥ ल ॥ क ॥ म ॥
 दि ॥ य ॥ म ॥ ॐ ॥ ई ॥ की ॥ ह ॥ य ॥ या ॥ दी ॥
 द ॥ वि ॥ द ॥ य ॥ ॥ य ॥ न ॥ य ॥ नि ॥
 ॥ य ॥ न ॥ व ॥ म् ॥ क ॥ क ॥ दि ॥ न ॥ द ॥ क ॥
 न ॥ ॥ य ॥ न ॥ मिल ॥ स ॥ म ॥ वि ॥ न ॥ वी ॥
 या ॥ दी ॥ अ ॥ म् ॥ क ॥ ना ॥ म ॥ ॥ म ॥ ॥
 वा ॥ क ॥ ॥ य ॥ य ॥ क ॥ क ॥ य ॥ दि ॥ न ॥ व
 नु ॥ वि ॥ म्व ॥ दान ॥ नु ॥ य ॥ म ॥ ई ॥ सी ॥ य

दद ॥ अर्चन न दान न वनु
 मासु प्राणा व ज दारु वनु ॥
 ॐ का दातु ॥ दक्षिणा ॥ आ
 णी र्व द ॥ मुनि ॥ ॐ नमो
 निना माथ जादिना प्रियव
 लर ॥ नमस्तु नरु मायक
 ला वाउ हा ध्याने ला ॥ यथा
 जानयु हा जाली ॥ विसर्जन
 नमो अष्टवक्त्रा मादानी ॥ वि
 सर्जन ॥ ॥ अष्टवक्त्रा माया
 समिधा ॥ अष्टवक्त्रा वादिय
 वादान आवत्स ॥ वाक्क लय
 आ ॥ आवत्साय नमः ॥ अष्ट
 वक्त्राय नमः ॥ पूजा दायादि ॥
 निलकण्ठला मादाय ॥ ॥
 ॐ आवत्समाय दानि लीवा
 सुदय दक्षिणे ॥ यदानी
 लरुगलला आवत्स लीनमा
 मर्द ॥ एतदु वनु दानी दात
 वी ॥ अष्टवक्त्रा लनददत्ता ॥ ॥
 अष्टादि वाक्क ॥ यजमान
 स्य साप्रजथा जादन निमि
 यथ अष्टवक्त्रा लनददत्ता ॥ ॥

[illegible][illegible]

व्यासार्थाय नमः॥ ॥ सकलमिवर्था नि सकलसिद्धिना निवः॥ न्यायारुमिनः॥ धना
 मयना नाम धिदुर्ज्ञेयः॥ १॥ विवदुर्भा निववर्था निववर्था निववर्था निवः॥ सकलचर
 विह्वलः॥ न्यायार्थाय नमः॥ २॥ अस्माकं द्वाभा निववर्था निववर्था निववर्था निवः॥ रमा
 दवः॥ न्यायार्थाय नमः॥ ३॥ न्यायार्थाय नमः॥ ४॥ न्यायार्थाय नमः॥ ५॥ न्यायार्थाय नमः॥
 न्यायार्थाय नमः॥ ६॥ न्यायार्थाय नमः॥ ७॥ न्यायार्थाय नमः॥ ८॥ न्यायार्थाय नमः॥ ९॥
 न्यायार्थाय नमः॥ १०॥ न्यायार्थाय नमः॥ ११॥ न्यायार्थाय नमः॥ १२॥ न्यायार्थाय नमः॥ १३॥

निवः॥ १४॥ न्यायार्थाय नमः॥ १५॥ न्यायार्थाय नमः॥ १६॥ न्यायार्थाय नमः॥ १७॥

20

15

10

5

0 Cms.

5

10

15

20

25

30



[illegible]

ॐ कलहो सर्वयक्ष्ण मंगल
 दवतामय मिश्रवर्णयुव
 एतन्मरुमिनमायह ॥ एत
 कलहो दानी ॥ दानीदातव्य ॥
 वाक्म ॥ न ॥ ददस्व ॥ अद्य ॥ वा
 क्म ॥ ॐ गावाय्या ॥ मुनि ॥ ॐ
 हनुमन्नीवायुयुवा वलनस
 हितायुत ॥ पाहिमीदुःखय
 गस्था विष्णुनाथिमनुस्मृत
 अयुगीयादि ॥ ॥ कृष्णव
 र्ण ॥ ॥ विश्वलय ॥ सानि
 थ ॥ खदिज ॥ वादि ॥ म्मान ॥
 दान ॥ वामन ॥ यज्ञादि ॥ ॐ
 विश्वलय यनम ॥ वामजा
 यनम ॥ ॥ वाक्म ॥ ॐ देवा
 नीरुयमीनाक्ष वामनमस्तु
 आरुमीदुर्लभ्याय नमः
 न ॥ वामन नममायह ॥ एत
 वामनदानी ॥ दातव्य ॥ वाक्म ॥
 न ॥ ददस्व ॥ वद ॥ ॐ नक्षत्री
 राशि ॥ मुनि ॥ ॐ विश्वलय
 आसीराविजाम् नवनीतल
 विष्णुकि यजानिस्त तल्ले
 यवयुहवायह ॥ यथावान

ॐ ह्रीं कवचं रुद्रं वा न
लीनं देवविधाता नमः ॥
निरुवतु वाजानी ॥ अथ गंध
॥ पीतवर्णः ॥ कृष्णः ॥ स
मिधः ॥ उदुम्बरः ॥ वृद्धिः ॥ मा
सः ॥ मत्स्यगुली ॥ पूजादि ॥
ॐ कृष्णाय नमः ॥ मृगमत्स्य
य नमः ॥ वाक् ॥ ॐ विष्णुना
मकुतूषासि ॥ वदाधनत्रयं
नवं ॥ जगती नमः ॥ अथ यदि
व्यनूयाय नमः ॥ यजमान
ना ॥ एतस्मिन् कृष्णगुली दानं ॥
दानवी ॥ वाक् ॥ ॐ ददस्व
अथ ॥ वाक् ॥ वद ॥ ॐ अथ
हंसदम् ॥ ॥ श्राव ॥ ॐ कृ
पाधनूयता ॥ ॐ मनी
नीयुवला मृनिः ॥ नमामि
मृनिदी ॥ गहममज्जनाहि
नैज्जतः ॥ अथ गंधादि ॥ य
था वानयुदाजानी ॥ ॥ य
जुजाममा ॥ समिध ॥
पूजा ॥ वृद्धि ॥ मृग ॥ दान

कृष्णः ॥ पूजादि ॥ ॐ यक्षुजा
माय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥
अथ ॥ वाक् ॥ ॐ यक्षवर्हि यक्ष
यक्ष्यात् ॥ यक्षदा नायलखन
गहमात्मद ॥ उक्तवर्च ॥ पुनमा
मिपूनः ॥ पुनः ॥ एतस्मिन् दान
नी ॥ यजमान नमः ॥ दानवी ॥ वा
क् ॥ ॐ ददस्व ॥ ॥ ॐ यक्ष
यमा ॥ मुनि ॥ ॥ ॐ ॐ नाका
लाकृष्णाय नमः ॥ ज्ञाननमः
निरु ॥ ॐ नाददति प्रयायय
मद ॥ ममदावल ॥ अथ ग
थादि ॥ ॥ मार्क ॥ ॐ यमा
समिध ॥ वृद्धि ॥ वृद्धि ॥ यक्ष
दान ॥ ॐ शिव ॥ पूजादि ॥ ॐ
वाक् ॥ ॐ अथ नावृत्तिरुन
याक्षजनामहा ॥ अथ विष्णुना
के ॥ ना ॥ शिवमा ॥ ॐ यक्षद
ले ॥ ॐ ॐ मार्क ॥ ॐ यमायः ॥
स्वाय नमः ॥ एतस्मिन् दान
यजमान नमः ॥ दानवी ॥ वाक् ॥
ना ॥ ददस्व ॥ वद ॥ ॐ यक्षमय
य ॥ मुनि ॥ ॐ मार्क ॥ ॐ यमा
दातज ॥ मार्क ॥ ॐ यमादात

421 y

मृगि॥ॐ न क व लु म हा क लु
 द्विपुत्रीयन्त्र विजिनी॥ सफाष्ट
 जथमा नूटं नमस्तुष्टीदिवाक
 ने॥ अमुग विदि॥ ॥२॥
 नतायऊमान नगजवामपुः
 येवा जथजाया वलान्कम
 ली॥ ॥ ह्ययीयद्यतदाय अकु
 र्तिनयकालयत्॥ जथसमीप
 गली स्तारीय ० न॥ ॐ वृत्तः
 दहकुत वृत्तीयन जाहनकु
 त॥ जथहृदयस्तदन्ति नन
 यादिव नृदि ॥४॥ यदा जथपु
 ना जाहनदायुष्ययुवकीति न
 दन्ति यदाग धूर्वा नृत्तिवापु
 नाग ॥४॥ धर्मा जथयाया॥
 उरुययु जयन्नाक जहृष्टी
 धितुमनैका जयत्॥ लादा
 तग्रीधिसानाडा क्विवक॥ ज
 थयऊमाननय॥ जथहृदय
 यथयनक॥ यरुम पुयक
 यका वाक॥ ३॥ जथयाया
 स्वस्तिवाचने॥ ॐ स्वस्तिमानि
 मिताम॥ वावनय ० न॥ नता
 दाना दह वामकलली तथा
 दीये स्थाया॥ निर्मि कु नादि

सगुणश्रीवद॥ शिरु
जनि॥ पुमि॥ ॥ जल
नयायरु॥ ॥ स्वय
निवाश्वेयादीयुहाल्य॥
यजमानजयजय आशिवा
द॥ स्वदक॥ वाक्क॥ लहक
दानव॥ वाक्क॥ लह॥ ददस्य
उंयादयुहालदवीववाक्क॥
यददस्य॥ दुर्वनदीयन
सकजन्मदनिदुता॥ ॥

कर्मवलि॥ द॥ वलित्वाय
उं श्रीरामा॥ आदुमि॥ य
जमानत्वाय॥ उं श्रीकृष्णा॥
पुमि॥ उं मनादुमि॥ वाक्क
लयुजा॥ ॥ द॥ याननः
गताजाद॥ आदुमि॥ ग
यदिमल्ल॥ ॥ ३॥ उं याजन्म
युजायान॥ उं युजायमनत्वा॥
वाक्क॥ यान॥ ३॥ उं वृक्क॥ लह
स्यम॥ यजमानयान॥ ३॥ उं
श्रुवाशि॥ युयोयी॥ यजमान
३॥ उं श्रीमल्ल॥ न॥ ॥
यिमजमान॥ ३॥ उं श्रीकृ

शूनज॥ गश्यम्॥ ३॥ श्री
मल्ल॥ पुमि॥ उं मना
दुमि॥ उं मिनाजाद॥ ॥
गन॥ ॥ मि॥ क॥ यु॥ वि॥ का॥ यः
व॥ ॥ आ॥ दि॥ उ॥ दि॥ हा॥ म॥ वाक्क
॥ न॥ र्म॥ क॥ ल्या॥ दि॥ ग॥ र्म॥ न॥ था॥
वलियुदान॥ द्युनदीय॥ वृ
हि॥ का॥ उं यव॥ ॥ न॥ य॥ त॥ था॥ म॥
क॥ क॥ ला॥ य॥ म॥ ॥ य॥ म॥ व॥ व॥ क॥ ल॥ थं
कालमावक्षति॥ ॥ ॥ ॥ वा॥ वृ॥ क॥
वि॥ दि॥ ॥ वा॥ दि॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ल॥ व॥ स॥ न॥
युवश्म॥ र्वि॥ कृ॥ दु॥ य॥ म॥ के॥ न॥ र्म॥
ले॥ म॥ द॥ न॥ रु॥ ले॥ र्म॥ वि॥ दि॥ य॥ व॥ ॥
मि॥ धू॥ ये॥ यु॥ न॥ व॥ धू॥ ये॥ मि॥ धू॥
हि॥ का॥ वा॥ ॥ ॥ ॥ ॥ क॥ उ॥ म॥ ल॥
रु॥ ल॥ गी॥ वृ॥ ल॥ वृ॥ गि॥ रु॥ ल॥ ॥ ॥
क॥ ला॥ ॥ ॥ म॥ हा॥ वा॥ द॥ मि॥ म॥ क॥
द्युनादुमिदद्यान्॥ ॥ ॥ ॥ हा॥
म॥ व॥ पु॥ र्म॥ वा॥ द॥ मि॥ ॥ वा॥ क॥
ल॥ द॥ कि॥ ला॥ ॥ वा॥ व॥ न॥ ॥ व॥ लि॥
द॥ न॥ ॥ ॥ द॥ हा॥ व॥ लि॥ का॥ म॥
रि॥ ॥ व॥ द्यु॥ न॥ या॥ र्म॥ ॥ यु॥ ला॥
ना॥ रि॥ ध॥ क॥ ॥ आ॥ द॥ मि॥ ॥ ॥

[illegible][illegible]

द॥ उँयमनदरु॥ दक्षिण॥

दानप्रगिष्ठा ॥ ॥ स्तुति ॥

सिद्धनगसद (७१) रुमद

वकानि युजामयासकल

श्रीमन्मथल्लयुक्ताः ॥ १॥

समस्तग्रहजातमनाद्वयः

ये ध्याता नृणां स्वयं नृपः

८॥ मिनिर्ह्य ॥ श्रुग ॥ आदि

॥ ॐ नमो भगवते ॥

वृक्षाः युजातः वृद्धा विमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

अथ वसुधैव कुटुम्बकम्
वसुधैव कुटुम्बकम्

बालकृष्णः दशबालकः
मः मन्त्रः ३ ॥ १ ॥ ॥

य० यन्नकलभक्य० या

ॐ नमो नारायणाय ॥

यक्षणी ग्राहसः क्लृपः यक्षः

कै० य० उ० रु० य० स० स्वस्तिका

नसत० निर्मकुनादिमाय०

निवहा किया लेखन प्रशि

धकवियः वज्रः वननः

सिद्धयः सगुणः अजितः

पञ्चसूत्र-फलस्थान-श्र

ली वाद विय... थं तुल्य...
 विय... ली वली किकलस
 ध्या... लक्ष्मी नाथ लक्ष्मी
 प्राप्ता ली आदि नमः कलस
 कल ली लक्ष्मी... यदि ली
 न ज्ञान कल लक्ष्मी... आज
 थिक न... प्रमिता... य...
 नु... को मा नो द... न... पूजा
 क्ताय... सादि धाय... अथा
 दि॥ वाक्॥ ॥ गल ली ना
 ठा स तुल्य काय॥ धय न धि
 यक... कनी कक्षाय... विन
 यम न व॥ प्राप्ता ली लक्ष्मी
 वं मिली म न था व न ह न
 य ह री य... ॥ ॥ ॥

लीलादविषय... थंलिखत

वियः शिवशक्तिदत्त

ध्याः लक्ष्मीनाथलक्ष्मीदाय

प्राक्कलीश्रदिनमकलक

कलहिलवद्राय० यिदिहि

नञातकलद्रवयः-आज

थिकनं युतिः युतिः

वु० कोमा यादवर्त्तनी० पूरु

कौय० सादिधाय० अद्या

दि॥ वाक्॥ ॥ गलना

उत्तमलकाय ॥ धन्यवति

यक० कर्कककाय० वि०

यस्यैव वाक्पलाशकृत

ॐ गिरुमनथावयादन

यहूरीयु॥ ॥ ॐ

...

This image shows a close-up of a blank, aged, cream-colored page. A faint red horizontal line is visible near the bottom edge. The paper has a slightly textured appearance with some minor discoloration and small dark spots.

वीर्य ॐ दमासने नमः
 स्वर्य विम्वाय ॐ दमासने
 वदु विम्वाय ॐ दमासने
 जन्म ययि काय ॐ दमासने
 स्नान ॥ वदु न ॥ सिद्ध न ॥
 जजमका ॥ यय्यत्वे ॥ ॥
 ॐ नत्वा यामि ॥ १२ ॥ यथार्थ
 ॐ मदि यो ॥ ॐ स्नाना यो
 ॐ शक्ति यो ॥ ॐ यय्य नयः
 ॐ ॐ म म गी गय्य मने
 ॐ सिता सिता ॥ ॐ उय दन
 ॐ मता न वय्य दन ॥
 यथ विविता ॥ ॐ न्यदि
 दही ला कया लय्य ॥ ॥
 ॐ यता यमिदु ॥ १० ॥ नता
 मय्यी जय कल यय्य ॥ ॥
 यद कल यय्य वद सय्य
 जामय ॥ श्र यथादि श्रु
 यय्य का सना यनमः ॥ वृ
 यो सना यनमः ॥ यिया

लि ॥ ३ ॥ ॐ नमः ॥ रवा
 ॐ दव स्यत्वे ॥ ॐ महाम
 ॐ मान स्ता क ॥ ॐ नमः
 उद स्य ॥ ॐ लो वा नामा
 सि ॥ ॐ यन स्य ॥ ॐ उय
 वया यय्य वधि ॥ ॐ नाल
 या वा ॥ लोति ॥ ॐ यय्य की
 ॐ ॐ मा उद य ॥ ॐ नम
 स्तम यय्य ॥ श्र वादा ॥ ॥
 नता यय्य वत्ता मादि वादि
 यथ दाय क ॥ यथादि
 मालका ॥ वदु विम्वय्य
 यो ॥ ॐ नत्वा यामि ॥
 श्र सने ॥ ॐ स यथा ज्ञाता य
 नमः ॥ ॐ वाम दवा यनम
 ॐ श्र यथा जा यनमः ॥ ॐ न
 त्य यय्य यनमः ॥ ॐ ॐ
 ॥ ना यनमः ॥ ॐ स यथा ज्ञा
 ना यमि मा तय यय्य मा जे द
 वा नाम रु वत्य जा गः ॥ श्र
 स्य द उ यय्य यदि यय्य स्य वा

विष्वाहा कृतं हं दिव्यं
नुदं वा ४००० वासमस्य
ॐ सवित्र वसिष्ठ ॐ दिव्यं
दिव्यं वासमस्य ॐ सावी ४
वासमस्य दिव्यं पश्य देवस्तु
न न या विद्या वासमस्य ४०
स्यामः ॐ या न नुदं हो वात
न न द्या ना या य का हो नी
त या न नु न्वा हो न म या जि
नि हो ना रि वा क ४० दि ॥
ॐ यत् नु न्वा वद ४००० क
नि ४० वा क ल य य न् म र्खी
कि म स्या सा कि वा दू कि म
दू वा द ४० वा न ॥ ॐ न म
४० नै ज ग द रु रु व स्या मि
धि यै जि न्वा म व स दू म र्ख
य म् पू या ना य वा व द सा
म स दू ४० वा कि ना या य द
४० स स्या ॥ ॐ ४० वा व दू प
४० ॥ ॐ व य ४० सा म ॥ ४० ॥ ४०
या दि ॥ ॐ नि ॥ ॐ ग ४० वा

दि ॥ ॥ यथ यत् ४० ॥ ॐ
ॐ अयं यत् ४० दि ॥ ॐ अयं
द कि ना वि व क म ॥ ॐ य
४० नि ४० न य मि ॥ ॐ यथ
वा द न हं दिव्यं ॥ ॐ वा
द ना दि ॥ ४० सा या ॥ ॐ दू
य र्ख ४० ॥ ॐ नि ४० ॥ ॐ
ॐ वा ना मा मि ॥ ॐ य ल या ॥
ॐ व ४० वि द व ना य न म ४०
ॐ न ला वा ४० ॥ ॐ य ४० ॥ ॐ न
म ४० व य ४० ॥ ॐ य वि व य
४० ॥ ॐ द ४० ना म न य ४० ॥
ॐ मि ४० व न्वा य न म ४०
ॐ न म ४० ॥ ॐ व न्वा य
न म ४० ॥ ॐ वि व दू दू
ॐ दू य य न म ४० ॥ ॐ दू
यि ज्ञान ॥ ॐ दू दू न व न
४० ॥ ॐ य ना वा व क ॥ ॐ य
न ना य ४० ॥ ॐ दू वा व ४० य
ॐ व दू दि द्या य ४० ॥ ॐ य न
४० ॥ ॐ य ना दि द्या य ४०
ॐ य द य क ॥ ॐ ग दू सा

दूरवाधिरवायूऊनी॥ ॥
 ॐ समर॥ लखवलि॥
 ॐ या सोदि॥ साहा॥ आ
 वाहनादि॥ ॥ खालयू
 ऊनी॥ ॐ अग्निर्हृद्वा॥ ॐ
 हा मादवी॥ ॐ कमानि
 न॥ ॥ स्वयंदिद्यऊनी॥
 ॐ शकृत्॥ ॐ नमः॥ हिरवा
 ॐ विष्णुजजाट॥ ॐ वृहस्प
 नः॥ ॐ अग्नि॥ ॐ अश्विनलक्ष्मी
 ॐ नमोः॥ ॐ अश्विनलक्ष्मी॥ ॥ स्वयं
 विष्णुजजाट॥ ॥ ग
 ला॥ ॐ नमोः॥ ॐ अश्विनलक्ष्मी॥ ॥ ग
 ग्राम॥ ॐ अश्विनलक्ष्मी॥ ॥
 ॐ कोमा॥ ॐ यागवद॥
 ॐ अश्विनलक्ष्मी॥ ॐ अश्विनलक्ष्मी॥
 विष्णुदा॥ ॐ दीर्घायुस्त्रा॥ ॐ
 वाहय॥ ॐ अश्विनलक्ष्मी॥ ॐ
 म॥ ॐ अश्विनलक्ष्मी॥ ॐ अश्विनलक्ष्मी॥

ऊप ॥ स्तुति ॥ ॐ ऊवा
 कृष्णमर्ष ॥ ॐ वृद्धवनम
 कृष्ण ॥ अष्टगः ॥ ॥
 वाङ्मन्यज ॥ शांतिक
 स्तनविषय ॥ ॐ ॥ नितिकय
 ८० ॥ स्वस्तिवाचनादिः
 वृष्टिगा ॥ ॥ नगायथक
 मकाययत् ॥ ॥ ॥
 यजमानस्तन ॥ कलहा
 ज्व ॥ वृष्टि ॥ कलहाय
 जा ॥ नृत्तिकादियुजा ॥
 लसाले स्वस्तिकासनस
 यजमाननय ॥ निर्मकु
 नादियाय ॥ मर्षेतेनाठ
 या ॥ सगुलखाय ॥ विधि
 ८० ॥ स्तनधूनक ॥ ॥
 यजमानलेखालाव ॥ म
 पुपसतय ॥ कलहा ॥ स
 कलहि ॥ कि ॥ गालखान
 तनक ॥ धूप ॥ दाय ॥ अ
 र्घ्यमालक ॥ ऊप ॥ स्तुति

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 गृहदानयाय ॥ यजमान
 नये विनी ॥ स्वस्तिकासनवि
 शायवतय ॥ निर्मलना
 दि ॥ अर्घ्यायुषालीखन
 हाय ॥ वन्दनादि ॥ यलि
 लैठ ॥ आदिन ॥ सगुण ॥
 पूरुठवा ॥ आशावाद
 व ॥ ॐ यविशुमसि ॥ ना
 युद्धसादानयाय ॥ न
 र्णयययाय ॥ ॥
 सकयथजयक ॥ ॐ पू
 दक्षविबूचय ॥ नृनीम
 हिमानी ॥ एकयदीन ॥ दिः
 यदा ॥ शिपदा ॥ वहुषेदा ॥
 वैवयदा ॥ सुवनानियथ ॥
 स्यादा ॥ ॥ सूर्यसखानत
 नक ॥ यजन ॥ धान ॥ धू
 य ॥ दापअर्घ्य ॥ ॐ श्रीरवकी
 जाम्बुपुण्याति ॥ जलानिवि
 विधातिव ॥ रामजथकु
 रीशोकमिदमर्घ्यनमान

महा ॥ सूर्यदे गुलिया
वक ॥ लातसा ॥ ऊयस्तु
नकय पुमिहानडी ॥ नकय
मस्तु पिनी ॥ सफा ॥ वन
थमा नूठ ॥ ग्रहनाडी नमास्तु
दी ॥ अष्टग ॥ आदि ॥ ॥ अ
णावदि ॥ उं उदुली जानव ॥
यजमान युनिष्टाय विनी ॥
वदुविम्य ॥ अष्टनैगलदा
न ॥ ॥ अथजाया ॥ यजमान
न ॥ अथसूर्यविम्वदानी ॥
आद्वन ॥ अं नरी कल्या ॥ द
दिनी ॥ दानी ॥ स्वस्तिवाचने
वलिविम्वदानी ॥ कल ॥
रिषकी ॥ वदुनादि ॥ अ
णावदि ॥ अथवि ॥ युनि
ष्टा ॥ अकविम्य ॥ कोमा
जिविस्तुत ॥ ॥ अथअ
का ॥ यजमानविम्य ॥ ॥
सूर्यसादिथाया ॥ स
॥ नमिनी कल ॥ न
मस्तुयजमान ॥ ॥

एमनथ ॥ बनुनथ
 देवनथ ॥ महावनथ
 जाह्नवदेवनथ धूलिः
 याह्नवमातसा ॥ वि
 थियूजा हू धूकू धू प
 हूलिव ॥ ॐ नाययूजा
 माल ॥ कलहयूजाया
 ममाल ॥ ॐ निधय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ कृष्ण उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥
 समवेता संजय ॥
 मामकाः पाण्डवश्चैव ॥
 तस्यैव तथैव ॥





20

15

10

5

0 cms.

5

10

15

20

25

30



0 ctm5.
5
10
15
20
25

ॐ नमो ब्रह्म ल नमः ॥
अथ देव जथा व जा ह न विधि
लिखितः ॥ विनिविद्या वृत्तिनाथ
नमस्तु गन्तव्यं वाजी वृत्तिनाथ
मस्तु देव जथा व का न यत् ॥
दुथ क द्वा स ल य ज मान त्वं
लक्ष्मि या वृत्ति क स्नान वस्तु देव
प्रकर क या या सति क द्वा यत्
मस्तु न निर्य क र्मा या या अथ
य ज मान य वृत्ति रजनी ॥ अथाः
दि ॥ वाक् ॥ य ज मान स देव जथा
व जा ह ल निमिती र्थ य वृत्ति रजनी
नै स र्म य या मि न मः ना नाय नः
या म्भु ति सिद्धि न म्भु ॥ द्वा स लः
द्रा य ॥ अथा ॥ ॥ सूर्या या गुरु
स्म नी ॥ या स ॥ अथ या गुरु ज ॥
आत्म य ज ॥ द्वा न य ज ॥ ॐ न
वा या मि त्या दि ॥ १२ ॥ अथा गुरु
जथा वृत्ति ॥ ॐ ना ग न क न था य
नमः ॥ ॐ विष्णु जथा य ॥ ॐ नथ
वा ह न ॥ मि ति य ज नी ॥ नथ ति

मस्तु देव जथा व का न यत् क ल मा च नी

ॐ नमो ब्रह्म ल नमः ॥
मि ग न्ता य ज नी ॥ ॐ विष्णु क
र्मा लि ॥ ॐ ग दि द्वा य ज नी ॥ अ
वा ह ना दि ॥ ॥ तता विष्णु य ज
नी ॥ या द न ल न त्वं था न था न
स थि स्त्री ॥ विष्णु या म नु ॥
द्वा द ल ना म न ॥ ॐ क ल वा यः
प्रा स दि ता य न मः ॥ ॐ ना ना य
वा य वा जी व ना स दि ता य ॥ ॐ
मा थ वा य का नी स दि ता य ॥
ॐ ग वि द्वा य क्रि या स दि ता य ॥
ॐ विष्णु व ल नि स दि ता य ॥
ॐ म धू स द ना य ॥ ना स दि ता
ॐ वि वि कु मा य ॥ ॐ स दि ता य
ॐ वा म ना य या ति स दि ता य ॥
ॐ श्री ध ना य ज ना स दि ता य ॥
ॐ दू षी क ल य मा या स दि ता य ॥
ॐ य द्वा ना रा य प्रा स दि ता य ॥
ॐ द मा द ना य म दि ता स दि ता य ॥
ॐ श्री य न्दु र्वा रु मा य ल द्वा स दि
ता य न मः ॥ ॥ श्री व र कः
ग दा ह र्ग न्ता य जि ही स्तु

नैऋतमा लगल वदुल क्षीय
 निव आयता ॥ उं ई ऊ ऋ ऌ
 गदाय २ ॥ उं अ ह्रिय मा अ ह्या ॥ ६
 उं व काय २ ॥ उं सू य लु ऌ या ऊ या
 उं णी र्वाय २ ॥ उं य वि ष ह्वा ॥ उं य
 दान नै य द्या ॥ मन व २ ॥ उं णि वा
 ना मा सि ॥ उं म ज्व दाय २ ॥ उं य ऊ
 र्वाय २ ॥ उं हा म व दाय २ ॥ उं अ
 थ व र्वाय २ ॥ उं अग्नि मा ॥ उं
 ०० य र्वा ॥ उं अग्नि आ या हि ॥ उं
 णी वा द वी ॥ ॥ ह्य क ला क य ऊ ॥
 उं ता १ ह वि उ ॥ उं ह र्वा व ॥ ह्य
 जा ४ पु ऊ रि ॥ उं ह र्वा य म ॥
 ह्या हा ॥ उं मन ह ४ का म मा कृ मि ॥
 उं य ह्वा द वा नी ॥ उं न य ६ व न य ह
 ६ ॥ उं ना अ ह्वा य म य ॥ अ वा द न
 दि ॥ न मा मा अं नि ज मा हा दि क
 जा ॥ उं मा अं नि ज मा ह्य ह्वा न म
 यो वा ॥ मा द्या ॥ ह्य लु ॥ वे ॥
 वे ॥ वा ॥ ऊ क ॥ अ वा द ॥ अ व
 ल द य द ॥ अ नि न ॥ कार्त्तिक ॥
 उं अ पि मा ह्वा न म ॥ उं श्री
 न ॥ जा या ॥ मु मि ॥ ना जा य न
 म मू र्वा ग नू ण य वि ही हि ॥ ॥ ॥

यक्रगदाहस्तं नमस्कृत्य विष्णुं कृत्या
 देवतथा च त्रिविधा तस्यैव विष्णु
 पुनस्तु ॥ ॥ गताग्रहकलणीय
 जनी ॥ आदित्यादि ॥ ॐ आकृष्टन
 नकृता ॥ १० ॥ ॥ गताग्रहक
 लणीयैः यैः यैः जनी ॥ ॐ आकृ
 ष्टकलणी ॥ ॐ यैः यैः यैः ॐ ॐ
 नमस्तु ॥ ॐ शिवादिना ॥ ॐ उय
 क्रनी ॥ ॥ ॐ गताग्रहकलणीय
 कया चार्जनी ॥ ॥ जन्मययुनी ॥
 ॐ गताग्रह ॥ ॐ शक्यसमया ॥ ॐ पुन
 स्ता ॥ ॐ अष्टकविता ॥ ॐ वयं हंता ॥
 १३ ॥ ॥ सगुणयुजा ॥ ॐ वसो ह्य
 विष्णो ॥ वदनादियुष्य अलीकालव
 र्त्तयुजयता ॥ थव २ वदन ॥ ॥ मा
 तादियक्षादियुजनी २ ॥ गतायक्र
 वलियुजा ॥ ॐ गता नी स्वतिगता
 यतिवर्त्तियुजयता ॥ थानविष्ण
 वनकथायुजा ॥ वलिव ॥ ॐ आकृ
 ष्ट ॥ ॐ विश्वयजा ॥ ॐ नमस्तु ह्य
 ॐ श्रीव्यता ॥ ॐ नमस्तु ह्य ॥ ॥ गता
 ॐ गता नी स्वा ॥ ॥ गता ॥ ॐ आर्य

0 c t m s .
5
10
15
20
25

ॐ॥ का मा नि॥ ॐ जा न व द श॥ दु य
धि या॥ ॐ स म क द य॥ ॥ अ क॥ ॐ
अ न य त॥ मी ठ॥ ॐ ॐ ग रि ह क॥
सि धु म द॥ ॐ श्री ग॥ द्रु स्की॥ ॐ
स मि त हं सी॥ ॥ व तु ष स्ति॥ धू य
दी पा॥ नै व द्य॥ जा य॥ ॐ म ना दू ति
पु ति स्ता॥ स्ता ग॥ अ ग ग न्धा दि॥
ॐ नि क य द्धि क य ॥ ॐ स्ति वा
व न क नि कु द ति व डी ग य ॥ ॐ
य ज मा न ल ॐ ल॥ स्ति वा व न
य ॥ ॐ स्ति का स न ड य वि ष
नृ व ल श ना दि॥ न को द नी॥ अ ध
वा॥ ॐ न का सि ग र क ल ॐ या ली
ष न द य॥ य ज मा न॥ य ज मा न
शो ष य॥ वि ष म कु ल ॐ ज
न थ य ज या च क॥ य ज मा न न ॥
ॐ न थ वा द न हं द वि ष॥ ॐ स्वा दू र व
हं स द ति॥ ॐ वि षू ज या॥ ॐ स
फ इ ॐ ति॥ ॐ न दि य रा वि य न
न य॥ ॐ म ना दू ति पु ति स्ता॥ न थ
द य क या न वा म म ॐ ल वा य॥ गु
गु मा द ल वा य॥ ॐ न थ यी ज या क
रु ना॥ ॐ स वि ना य थ म॥ द व या द

व न स्त न॥ ॥ वे षू व द वा र्च न
या च क॥ स क ल रि नी॥ स्त न
न क॥ धू य॥ द य॥ वि ष म ल
न स क ल रि नी॥ अ र्ध वि या च क
अ र्ध वा ना द क ल॥ अ नू दी न
कु ल ग्रा नि हि न न्ध न ल सी य
नी द व न थ नि या पु रा स र्व वा
य द य य वा॥ कै ल स न वि ना ॐ
य रू ल न न न य व द व न थ म
द वि षू ज ना र्च न मा म न॥ म व सु
ॐ न थ स दि ना य ना य ना ॐ द
म द र्ध ग द ल स्ता द॥ म ॐ ग्रा नि
स क ॐ द दि ल॥ स ग ल सि फा ग नि
पु ति स्ता सु ल ॐ न थ ॐ ह ली
स्ति वा च न॥ त्रि प्र द कि ली पा द
प्र का ल न॥ त्रि ली ह द कि द ॐ व र्ध
वा ॐ व य॥ न त ॐ हा द न या य॥
वा दि॥ या द॥ अ क त॥ अ न ग न
थ ना स र्व शो ज ली ना म न व वा॥
वि षू सी या न थ म पी य ॐ रु म न
वि ष म॥ ॥ वा क ल न र्श कः
ल्य॥ द दि ल वा व न॥ व लि॥
वि स र्ज नी॥ म ल य ॐ म क लः

वि ग

फला कु-पुवा पुष्पा र अक्षता इ
तिलो मोदक इ इ ला जो प
पाः फलितो १ श्री श्रवतो र
दीर्घा पुष्पा य इ लोका राशि न्द्र ४
इ उ र ने ५ इ ति पंचाभिषेकः

[illegible]

५३५

सत्य
योग
ज्ञानक

महर्षिभ्यो
कृत्येण
उक्तम्

ना नाय न
नानुज न
वस्तुना न काले
पर्यादि क्रम

आदिश कल
अदया
दक्षिण

卷之六

666 金

ॐ श्रीवदुयनमः॥ ॥ प्रजाप
 तिः जोगाय लक्ष्मीयामिहयेवय
 नमस्तु यदवस्थासहस्रवदुनमा
 मुता॥ सहस्रवदुविधिर्लिखित
 दधुकाद्रुवाकनायज्ञमानाल
 लीयावुका॥ स्नानमाय॥ ॥ यज्ञ
 मानयुव्यराज्ञनयावका॥ अथा
 दि॥ वाक्॥ सहस्रवदुअवलाक
 ननिमित्तार्थ॥ ईसमानिहिनदव
 कुदकयुजविग्रह॥ जाज्ञवधने
 सोमवदईसागजात्मज्ञ॥ सिद्धि
 मुखादि॥ वाक्॥ नृकाय॥ ॥ आ
 यम्॥ हूँ मूर्ध्नि॥ गुत्रनमस्तुनी॥
 आस॥ अर्घ्याय यज्ञा॥ आत्मय
 ज्ञा॥ दानावधायका॥ ॐ तत्सत्ता
 निर्यादि॥ १२॥ आवाहनादि॥ द। २
 दिना॥ अहकललीयनेजे॥ आदि
 र्यादि॥ ॐ आहूँ १०॥ आवाहदि
 उरुजकललीयनेजे॥ अहूँ जय
 यज्ञा॥ ॐ आहूँ कलीनिर्यादि॥
 आवाहनादि॥ नताम॥ अयवदुवि
 म्पुयज्ञा॥ ॥ नी॥ वदुमाअमना
 ल्यनेदिगुडीलीलीकुनी॥ अमिनी

अयनालीव॥ अयदृशासनस्तिनी॥
 ॐ ॐ नदवा॥ ॐ श्रीवदुता॥ ॐ अय
 ननमता॥ अयवदु॥ ॐ अयवदृशा
 म१३॥ जाय॥ स्नाय॥ नमस्तुवदुमा
 दवीआदिनायिप्रवल्ह॥ सर्व॥ नि
 कनदव॥ ॐ नृमर्हिनाममुता॥ अय
 जत्वादि॥ द॥ लोकपालयज्ञा॥ ॐ
 शागानमिदु१०॥ वदुमानथयज्ञा॥
 ॐ सहस्रवदुयनमः॥ ॐ कयाकजा
 यमनः॥ ॐ अयनमः॥ ॐ अदृदा
 य२॥ ॐ उदृदाय२॥ हूँ य२॥ ॐ
 ॐ उवाहकाय२॥ ॐ अकाय२॥ ॐ
 ग्लाव२॥ ॐ कलानि॥ १२॥ ॐ अय
 ११॥ शागामय२॥ ॐ म१३॥ लाकाजाय२॥
 ॐ वदुमस२॥ ॐ शागामविष्ववायि
 नअमनमर्हिनाममुता॥ नता॥ अमि
 कुम्पित॥ ॐ सोमामे॥ नता॥ अमयिदृ
 नादिनासदिनी१३॥ ईसहवधुनीय
 यी॥ अयवदृशासकी॥ अया॥ अलि॥
 ॐ कौ॥ श्रीसीशामायशांममर्हिनाम
 मानमः॥ ॐ अमौ॥ अमौ॥ अमता॥ ॐ
 वायअमताकजायअमनात्मनस्त
 रा॥ ॐ कौ॥ श्री१३॥ शागाम॥ शागामः

रुं य अ म ताय वि ६४ व्या यि न
 नमः॥ ॐ डौं डौं श्रीं ४ ॐ अं ॐ
 अ म ताय अ म ताय नमः ॥
 ॐ अ र् य यू जा ॥ ॐ न थ वा द ना ति
 ॐ न व लि ॥ आ वा द ना दि ॥ ॥
 डा य ॥ ॐ श्री य द्या य व द्यु म रुं ६
 य ह्वा हा ॥ १० ॥ स्ता य ॥ ॐ ई स माः
 नी ह्म नै द वी कृ द क र्ण न वि ग्र ई
 ना डा वी व ५ नै लो म्यं व द ई सा ३
 ग ना त्म र्के ॥ अ गु ग ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ना ड न म य यौ का य डा ॥ ॐ ना ६
 अ ह्वा ॥ ॐ स य म व य ॥ ॐ यून
 ह्वा दि ह्वा ॥ ॐ अ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 आ वा द ना दि ॥ ॥ स गु ॥ ॥ ॥
 डा ॥ ॐ व क्षा ४ य वि त्र म् ॥ य डि
 ली ॥ य डि ग ॥ ॐ हि न ॥ ॥ ॥
 र डा कृ द स य न वि य ॥ ॐ दः
 वि का प्रा ॥ ॐ डा ४ रु ल ना ला
 आ वा द ना दि ॥ न ना मा सा दि
 ॐ अ र्द मा सा ह्वा दि ॥ २१ ॥ व
 लि य डा ॥ ॐ ग ना ॥ ॥ ॥
 ली षु व लि ॥ ॐ प्रा यो दि ॥ ॥
 वा न यू डा ॥ ॐ अ र्जि न र्द

[illegible]

हिनीसहिनायय॥ हरिवनाय
 समादाय॥ मृत्पुत्रयसी
 मृत्पुत्र॥ जातकसी॥ मृत्पुत्र
 नमामुननि॥ नाथलकाया
 नमामुन॥ सिमिनाय॥ पुत्र
 दायतायाधियतथनम॥
 मृत्पुत्र॥ दवआ॥ धी
 द॥ उ॥ म॥ न॥ द॥ वा॥ यीविनीयज
 मानयुगि॥ मनाइति॥
 यजमानवधजाया॥ वदुम
 पुलदीयक॥ वाकल॥
 इकायल्यायथिखालमृत्पुत्र
 लयानिलम॥ कुनमाय॥
 यरुस॥ थं॥ कालि॥ मृदिनी
 पुमि॥ सि॥ च॥ क॥ म॥ ल॥ म॥ य॥ म॥
 न॥ स॥ क॥ म॥ य॥ म॥ य॥ म॥ य॥ म॥
 य॥ म॥ ल॥ म॥ य॥ म॥ य॥ म॥ य॥ म॥
 म॥ य॥ म॥ य॥ म॥ य॥ म॥ य॥ म॥
 पुती॥ क॥ म॥ नि॥ म॥ ल॥ वे॥ व॥ म॥ दि॥
 ना॥ द॥ दा॥ मि॥ नो॥ दि॥ न॥ म॥ म॥
 म॥ नि॥ पु॥ य॥ कु॥ म॥ क॥ म॥ पा॥ म॥
 मि॥ म॥ पु॥ व॥ दु॥ वि॥ व॥ द॥ न॥ म॥ र॥ सी

युद॥ मृ॥ ति॥ नम॥ स॥ य॥ नि॥
 म॥ ना॥ थ॥ ना॥ दि॥ नी॥ यि॥ य॥ व॥ ल॥ र॥
 नम॥ स॥ ह॥ न॥ र॥ वा॥ य॥ क॥ ला॥ धा॥ ठ॥
 म॥ धा॥ न॥ सी॥ मृ॥ पु॥ म॥ धा॥ दि॥
 वा॥ क॥ ल॥ मृ॥ न॥ सी॥ क॥ ला॥ द॥
 दि॥ नी॥ वा॥ च॥ न॥ व॥ लि॥ वि॥ स॥
 कु॥ नी॥ य॥ ज॥ क॥ य॥ म॥ र॥
 ऊ॥ य॥ क॥ ल॥ म॥ हि॥ व॥ क॥ य॥
 न॥ ना॥ दि॥ म॥ गु॥ ल॥ म॥ र॥
 व॥ दि॥ म॥ र॥ यि॥ म॥ म॥ र॥ द॥
 मि॥ म॥ क॥ वि॥ य॥ म॥ को॥ म॥ ना॥
 वि॥ स॥ कु॥ नी॥ व॥ न॥ म॥ न॥ म॥ र॥
 न॥ म॥ र॥ म॥ धि॥ थ॥ य॥ म॥ व॥ न॥
 म॥ र॥ व॥ न॥ नि॥ र॥ य॥ म॥ द॥ न॥ य॥ ली॥ स॥
 उ॥ र॥ कु॥ नी॥ य॥ दि॥ म॥ वि॥ व॥ स॥ क॥ स॥
 वा॥ व॥ न॥ म॥ व॥ य॥ व॥ म॥ र॥ म॥ र॥
 या॥ व॥ क॥ म॥ क॥ ल॥ म॥ र॥ व॥ न॥ कु॥ ल॥ म॥
 य॥ म॥ न॥ स॥ म॥ क॥ वि॥ य॥ म॥
 म॥ गु॥ ल॥ म॥ र॥ म॥ क॥ ल॥ म॥ न॥
 म॥ क॥ न॥ म॥ र॥ म॥ म॥ ए॥ क॥ र॥ क॥
 नि॥ म॥ म॥ र॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

पञ्चम
वसुधैव कुटुम्बकम्

महेश्वर
कलशार्चनम्

वसुधैव कुटुम्बकम्
नमो भगवते वासुदेवाय

गुरुकलश
वाचस्पति

यववलि

शक
खाल

सर्वं य
सहस्रं नमो भगवते वासुदेवाय
१६ वा

जथा॥ सहस्रं वसु॥ दवज
थया॥ होमयात सादृशक
द्रुपिथियु कामाला॥ श्रीक
लिवा॥ ऊवादकमाला॥ य
साम्माला॥ मिनामप
कामाला॥ कलशार्चनम्
लसाम्माला॥ ॥००॥
गिचनुसहस्रविधिसक
॥००॥



